

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : मे – २०२३

सत्र – १

विषय : भारतीय साहित्यशास्त्र (HC - 101)

दि.: २७/०५/२०२३

कुल अंक : १००

समय : प्रातः १०.०० से दो १.००

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

- प्र. १ भारतीय साहित्यशास्त्र के विकास का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत कीजिए।
- प्र. २ आचार्य भरतमुनि के रससूत्र को सोदाहरण विवेचित कीजिए।
- प्र. ३ 'साधारणीकरण' की अवधारणा पर विभिन्न आचार्यों के विचार प्रस्तुत कीजिए।
- प्र. ४ अलंकार की परिभाषा देकर उसके सिद्धांत को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ५ रीति की परिभाषा देकर उसके विभिन्न भेदों को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।
- प्र. ६ ध्वनि की परिभाषा प्रस्तुत करते हुए, ध्वनि और स्फोट सिद्धांत पर प्रकाश डालिए।
- प्र. ७ ध्वनि के आधार पर काव्य के भेदों का विवेचन कीजिए।
- प्र. ८ कुंतकपूर्व वक्रोक्ति विचार स्पष्ट करते हुए, उसके प्रकारों का परिचय दीजिए।
- प्र. ९ औचित्य-सिद्धांत की परिभाषा देकर उसके भेदों पर प्रकाश डालिए।
- प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।
 १. करुण रस की आस्वाद्यता
 २. शब्दशक्ति
 ३. रीति और शैली
 ४. काव्य में अलंकार का स्थान ।